देश में पेट्रोल-डीजल की मांग बढ़ी

वेंडर्स ने भी 10-25 प्रतिशत तक कीमतें बढ़ाई, आम जनता पर असर

नई दिल्ली, 18 मार्च. **देश में ईंधन संकट के संकेत दिखने लगे हैं. मार्च के पहले हफ्ते में खपत 17प्रतिशत घट गई, जबकि पेट्रोल और डीजल की मांग में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई. वेस्ट एशिया में युद्ध के कारण सप्लाई चेन प्रभावित हुई है, जिसका असर सीधे आम लोगों की जेब पर पड़ रहा है.**

कमर्शियल गैस महंगी होने से 57प्रतिशत रेस्टोरेंट्स और आधे से ज्यादा स्ट्रीट वेंडर्स ने खाने के दाम बढ़ा दिए हैं, जिससे महंगाई का दबाव और बढ़ गया है. वेस्ट एशिया में बढ़ते तनाव का असर अब भारत के ईंधन बाजार पर साफ दिखाई देने लगा है. मार्च के पहले सप्ताह में लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस की खपत में 17प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है. सरकारी तेल कंपनियों के आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि में एलपीजी की खपत 1.147 मिलियन टन रही, जो पिछले साल इसी समय 1.387 मिलियन टन थी. वहीं, पेट्रोल की बिक्री 13.2प्रतिशत और डीजल की 8.2प्रतिशत बढ़ी है. इस असंतुलन का सीधा असर आम उपभोक्ताओं पर पड़ा है. कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर महंगे होने से देशभर में 57 प्रतिशत रेस्टोरेंट्स और 54 प्रतिशत स्ट्रीट वेंडर्स ने खाने के दाम बढ़ा दिए हैं. कई जगहों पर ग्राहकों के बिल में 'एलपीजी रिवीजन शुल्क' भी जोड़ा जा रहा है. छोटे दुकानदार अब लकड़ी, कोयले और इंडक्शन जैसे विकल्प अपनाने लगे हैं.

> सरकार का कहना है कि देश में एलपीजी की कोई कमी नहीं है और सप्लाई सामान्य है. दरअसल, 28 फरवरी 2026 को ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमले के बाद स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तनाव बढ़ गया, जिससे सप्लाई प्रभावित हुई. भारत अपनी 80-85त्न एलपीजी जरूरत इसी मार्ग से पूरी करता है. हालांकि, राहत के संकेत भी मिले हैं. 'नंदा देवी' और 'शिवालिक' जैसे जहाज बड़ी मात्रा में एलपीजी लेकर भारत पहुंचे हैं. सरकार सप्लाई को स्थिर करने और महंगाई को नियंत्रित करने के प्रयासों में जुटी है.

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए केंद्र सरकार ने कालाबाजारी और जमाखोरी के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू की है.

रुपया 12 पैसे टूटा, नये निचले स्तर पर

मुंबई, 18 मार्च. अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया मंगलवार को 11.75 पैसे कमजोर हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 92.40 रुपये बोला गया. यह भारतीय मुद्रा का रिकॉर्ड निचला स्तर है.

पिछले कारोबारी दिवस पर यह 1.75 पैसे की मजबूती के साथ 92.2825 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी. रुपया आज शुरू से ही दबाव में रहा. यह 6.75 पैसे टूटकर 92.35 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और पूरे दिन सीमित दायरे में रहा. यह ऊपर 92.35 रुपये और नीचे 92.4775 रुपये प्रति डॉलर तक गया. अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में करीब दो प्रतिशत की तेजी और विदेशी संस्थागत निवेशकों के भारतीय पूंजी बाजार में बिकवाल रहने से रुपये पर दबाव रहा.

भारतीय शेयर बाजारों में आई तेजी

633 अंक की बढ़त पर रहा सेंसेक्स

196 अंक पर चढ़ा निफ्टी

मुंबई, 18 मार्च. आईटी और ऑटो सेक्टरों में जबरदस्त तेजी के दम पर घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को लगातार तीसरे दिन तेजी रही और बीएसई का सेंसेक्स 633.29 अंक (0.83 प्रतिशत) की बढ़त के साथ 76,704.13 अंक पर बंद हुआ. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 196.65 अंक यानी 0.83 प्रतिशत चढ़कर 23,777.80 अंक पर बंद हुआ.

यह दोनों प्रमुख सूचकांकों का एक सप्ताह का उच्चतम स्तर है. मझौली और छोटी कंपनियों में लिवाली का जोर अधिक रहा. निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 2.09 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.67 प्रतिशत उछल गया. आईटी, ऑटो, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, रियलटी और मीडिया समूहों के सूचकांकों में ज्यादा तेजी देखी गयी. बैंकिंग, तेल एवं गैस, स्वास्थ्य और फार्मा समूहों के सूचकांक भी बढ़त में रहे. सिर्फ एफएमसीजी और धातु समूहों में हल्की गिरावट रही. सेंसेक्स की कंपनियों में इटरनल और टेक महिंद्रा के शेयर सवा तीन प्रतिशत ऊपर बंद हुए. इंफोसिस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, अडानी पोर्ट्स और टीसीएस के शेयरों में दो से तीन प्रतिशत तक तेजी रही. एक्सिस बैंक, एलएंडटी, भारती एयरटेल, इंडिगो, टाइटन, बजाज फाइनेंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, एशियन पेंट्स और बजाज फिनसर्व के शेयरों में एक से दो प्रतिशत की मजबूती दर्ज की गयी. रिलायंस इंडस्ट्रीज, बीईएल, भारतीय स्टेट बैंक और मारुति सुजुकी के शेयर भी हरे निशान में रहे.

इलेक्ट्रिक कार निर्माता ने शुरू किया अपना सबसे बड़ा शोरूम

नई दिल्ली, 18 मार्च. चीन की इलेक्ट्रिक कार निर्माता बीवाईडी ने वितरक पीपीएस मोटर्स के साथ मिलकर दिल्ली में बुधवार को अपने सबसे बड़े शोरूम का शुभारंभ किया.

राष्ट्रीय राजधानी के मोतीनगर इलाके में लगभग 9,000 वर्ग फुट में फैले इस शोरूम का उद्घाटन कंपनी की भारतीय इकाई बीवाईडी इंडिया के इलेक्ट्रिक कार कारोबार के प्रमुख राजीव चौहान और पीपीएस मोटर्स के प्रबंध निदेशक राजीव सांघवी ने किया. श्री चौहान ने बताया कि यह देश में बीवाईडी का 48वां और दिल्ली-एनसीआर में छठा शोरूम है. मोती नगर में स्थित यह शोरूम कंपनी के लिए एक मील का पत्थर है. फिलहाल इस शोरूम में प्रीमियम रेंज के दो कार मॉडल %सीलॉयन 7 और सील प्रीमियम सेडान उपलब्ध हैं. श्री चौहान ने बताया कि जल्द ही यहां सात प्रमुख मॉडल उपलब्ध करवाने की कोशिश होगी. उन्होंने कहा कि ब्लेड बैट्री से युक्त ये कारें पूरी तरह सुरक्षित और टिकाऊ हैं. उन्होंने कहा, इस क्षेत्र में ग्राहकों को उन्नत इलेक्ट्रिक कार उपलब्ध करवा कर हम देश के स्वच्छ परिवहन में अपना योगदान देना चाहते हैं. श्री सांघवी ने कहा कि पीपीए मोटर्स बीवाईडी के साथ मिलकर ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उन्नत तकनीक वाली इन प्रीमियम कारों को लोगों तक पहुंचाना चाहता है. उन्होंने उम्मीद जतायी कि देश के सबसे बड़े इलेक्ट्रिक कार बाजार दिल्ली में ये कारें लोगों को आकर्षित करेंगी.

3 दिन में टूटा बाजार, सोना हुआ सस्ता

1.55 लाख पर आया सोना

2.50 लाख के पास पहुंची चांदी

नई दिल्ली, 18 मार्च. वैश्विक अनिश्चितता और युद्ध जैसे हालात आमतौर पर सोने-चांदी की कीमतों को मजबूती देते हैं, लेकिन इस बार तस्वीर उलटी नजर आ रही है. अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच जहां निवेशकों को सुरक्षित निवेश की ओर भागना चाहिए था, वहीं उन्होंने उल्टा कीमती धातुओं से दूरी बनानी शुरू कर दी है.

इसका सीधा असर बाजार पर पड़ा है, जहां सोने और चांदी दोनों की कीमतों में तेज गिरावट देखने को मिली है. पिछले कुछ दिनों में सोना अपने रिकॉर्ड स्तर से काफी नीचे आ गया है, जबकि चांदी में तो और भी बड़ा उतार-चढ़ाव देखने को मिला है. निवेशकों की रणनीति में बदलाव, मुनाफा वसूली और कैश की बढ़ती मांग ने इस गिरावट को और तेज कर दिया है.

इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, सोना और चांदी दोनों में लगातार तीसरे दिन कमजोरी दर्ज की गई है. एक किलो चांदी की कीमत करीब 2,177 घटकर ?2.50 लाख पर पहुंच गई है, जबकि 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1.55 लाख के स्तर पर आ गया है. सबसे दिलचस्प बात यह है कि यह गिरावट ऐसे समय में आई है जब वैश्विक स्तर पर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ा हुआ है.

> सोने की कीमत जहां जनवरी के अंत में 1.76 लाख प्रति 10 ग्राम के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई थी, वहीं अब यह करीब 20 हजार तक सस्ती हो चुकी है. वहीं चांदी 3.86 लाख प्रति किलो के रिकॉर्ड स्तर से गिरकर 2.50 लाख के करीब आ गई है, जो भारी गिरावट को दर्शाता है.

मारुति सुजुकी को 5,786 करोड़ के आयकर का नोटिस

मुंबई, 18 मार्च. देश की सबसे बड़ी यात्री वाहन निर्माता मारुति सुजुकी को आयकर विभाग से 5,786.4 करोड़ रुपये का नोटिस प्राप्त हुआ है. कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि उसे 16 मार्च 2026 को आयकर विभाग से वित्त वर्ष 2022-23 के लिए प्रारूप आकलन आदेश प्राप्त हुआ है. इसमें संबंधित वित्त वर्ष के लिए कंपनी द्वारा घोषित आय में विभाग ने कुछ और आय जोड़ा है जबकि कुछ छूटों को खारिज कर दिया है. इस प्रकार विभाग ने अतिरिक्त आयकर की मांग की है. कंपनी ने कहा है कि वह इसके खिलाफ विवाद समाधान पैनल के समक्ष आपत्ति दर्ज करेगी. इस आदेश का उसके वित्त, परिचालन और अन्य गतिविधियों पर कोई असर नहीं होगा.

तनाव के बीच तेल बाजार तीन प्रतिशत टूटा

नई दिल्ली, 18 मार्च. वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतों में अचानक आई गिरावट ने ऊर्जा बाजार को चौंका दिया है. आमतौर पर युद्ध या तनाव के हालात में तेल की कीमतें बढ़ती हैं, लेकिन इस बार बाजार ने अलग रुख दिखाया है.

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल में 3 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई, जिससे निवेशकों में अनिश्चितता और सतर्कता दोनों बढ़ गई है. तेल बाजार इस समय कई परस्पर विरोधी संकेतों से जूझ रहा है. एक ओर ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ता तनाव सप्लाई को लेकर चिंता पैदा कर रहा है, वहीं दूसरी ओर निवेशकों की मुनाफावसूली और मांग को लेकर आशंकाएं कीमतों पर दबाव बना रही हैं. इस उतार-चढ़ाव का असर केवल अंतरराष्ट्रीय बाजार तक सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय बाजार भी इससे अछूता नहीं रहा.

एमसीएक्स पर भी कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट देखी गई है. ऐसे में आने वाले दिनों में तेल बाजार की दिशा को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी असर डाल सकती है. वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतों में बुधवार को बड़ी गिरावट दर्ज की गई, जिससे ऊर्जा बाजार में हलचल मच गई है.

वीआईटी ने बैच के लिए 10,000 प्लेसमेंट ऑफर पार किए

सफलता की विरासत

चेन्नई, 18 मार्च. वीआईटी हायर एजुकेशन में बेहतरीन काम को नए सिरे से परिभाषित कर रहा है, 2026 बैच के लिए 10,000 प्लेसमेंट ऑफ़र पार करके एक बड़ा मील का पत्थर साबित हुआ है. यह उपलब्धि, खास तौर पर चौथी बार, कैंपस रिक्रूटमेंट के लिए एक पावरहाउस के तौर पर इसकी प्रतिष्ठा को और पक्का करती है.

लेटेस्ट प्लेसमेंट डेटा एक मज़बूत इकोसिस्टम को दिखाते हैं जहाँ एकेडमिक सख्ती इंडस्ट्री की डिमांड को पूरा करती है. 701 कंपनियों से पहले ही 10,071 ऑफ़र मिल चुके हैं, रिक्रूटमेंट ड्राइव के धीमा होने का कोई संकेत नहीं दिख रहा है. इस सीज़न की एक खास बात 1 करोड़ का सबसे ज़्यादा सालाना पैकेज है, जो वीआईटी स्टूडेंट्स की ग्लोबल कॉम्पिटिटिवनेस को दिखाता है. मार्की ऑफ़र 696 (सीटीसी 20 एलपीए और उससे ज़्यादा). सुपर ड्रीम ऑफ़र 2,292 (सीटीसी 10 एलपीए और उससे ज़्यादा). ड्रीम ऑफ़र 3,333 (सीटीसी 6 एलपीए और उससे ज़्यादा). इन आंकड़ों में इंटर्नशिप और फुल-टाइम प्लेसमेंट दोनों शामिल हैं, जो वीआईटी की बड़ी कॉर्पोरेट कंपनियों के साथ सफल पार्टनरशिप को दिखाते हैं. लगातार इंडस्ट्री के लिए तैयार ग्रेजुएट बनाकर, वीआईटी शिक्षा और नौकरी के बीच के अंतर को कम कर रहा है, और यह पक्का कर रहा है कि इसके छात्र बदलती ग्लोबल इकॉनमी में लीड करने के लिए अच्छी तरह से तैयार हों. 2026 बैच के लिए, भविष्य न सिर्फ अच्छा दिख रहा है - बल्कि यह बहुत सुरक्षित भी दिख रहा है!

चावल, चीनी नरम; गेहूं मजबूत; दालों, खाद्य तेलों में घट-बढ़

नयी दिल्ली, 18 मार्च (वार्ता) घरेलू थोक जिंस बाजारों में बुधवार को चावल की औसत कीमत घट गयी. चावल से साथ चीनी में भी नरमी रही. गेहूं में मजबूती देखी गयी जबकि दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा. औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 10 रुपये टूटकर 3,840 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी. गेहूं पांच रुपये महंगा हुआ और 2,808 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया. आटे की कीमत भी पांच रुपये बढ़ गयी.

मेरठ में जल्द बनेगा ज्वैलरी पार्क : गोयल

मेरठ, 18 मार्च. मेरठ में जल्द ही ज्वैलरी पार्क बनने वाला है. केंद्रीय उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने स्वर्ण व्यापारियों से मुलाकात कर इस परियोजना को लेकर आश्वासन दिया. शहर के बुलियन ट्रेडर्स एसोसिएशन और जेम्स एंड ज्वैलरी फेडरेशन के प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री को सुझाव दिए और विकास के लिए आवश्यक कदमों पर चर्चा की.

मेरठ विकास प्राधिकरण ने इसके लिए 40,000 मीटर भूमि संरक्षित की है और परियोजना का सर्वे 2019-20 में पहले ही हो चुका है. मेरठ में जल्द ही एक आधुनिक ज्वैलरी पार्क बनने जा रहा है. इसके लिए केंद्रीय उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने स्वर्ण व्यापारियों से मुलाकात कर आश्वासन दिया. यह बैठक डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेयी के साथ दिल्ली में आयोजित की गई, जिसमें मेरठ बुलियन ट्रेडर्स एसोसिएशन और मेरठ जेम्स एंड ज्वैलरी फेडरेशन के प्रतिनिधि शामिल हुए. बैठक में केंद्रीय मंत्री ने व्यापारियों के सुझाव सुने और विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया.

बुलियन एसोसिएशन के महामंत्री विजय आनंद अग्रवाल ने बताया कि सभी विभाग इस कार्य के लिए संगठित रूप से काम कर रहे हैं. ज्वैलरी पार्क के निर्माण और संचालन की जिम्मेदारी संबंधित विभाग के संयुक्त सचिव द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, परियोजना के लिए मेरठ विकास प्राधिकरण ने 40,000 मीटर भूमि संरक्षित कर दी है.

समाचार विशेष

केरलम चुनाव में तेजस्वी यादव की एंट्री

पटना. चुनाव आयोग ने रविवार को पांच राज्यों में चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है. इस बीच अब आरजेडी ने भी केरलम में चुनाव लड़ने का मन बना लिया है. इसके साथ ही उन्होंने अपने सहयोगी दल के बारे में जानकारी दी है.

राष्ट्रीय जनता दल के कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने केरल की सत्तारूढ़ एलडीएफ के साथ चुनाव लड़ने का ऐलान किया है. अब इसको लेकर तेजस्वी यादव का एक बयान भी सामने आया है. दरअसल, तेजस्वी यादव ने रविवार को चुनाव के ऐलान के बाद कहा कि उनकी पार्टी आगामी केरल विधानसभा चुनाव सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के हिस्से के रूप में लड़ेगी.

दरअसल, राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने यह घोषणा बिहार में आरजेडी की अगुवाई वाले महागठबंधन के विधायकों के साथ एक बैठक के बाद की. यह बैठक राज्य में राज्यसभा की 5 सीटों के लिए वोटिंग से कुछ घंटे पहले रविवार को बुलाई गई थी. इससे पहले तेजस्वी यादव ने कहा कि केरलम में, हमारी पार्टी आरजेडी, एलडीएफ के हिस्से के तौर पर केरलम विधानसभा चुनाव लड़ने जा रही है. हम पहले भी केरल विधानसभा में चुनाव लड़ चुके हैं. हमें उम्मीद है कि हम एलडीएफ को राज्य की सत्ता में बनाए रखने में मदद करेंगे.

केरलम में किसके बीच मुकाबला?- केरलम की सियासत बिहार से काफी अलग है. बिहार में आरजेडी के नेतृत्व वाले महागठबंधन में कांग्रेस और लेफ्ट पार्टियां सहयोगी के रूप में शामिल हैं, जबकि केरल में यही दोनों दल सबसे बड़े राजनीतिक मोर्चों का नेतृत्व करते हैं और वहां आरजेडी छोटी सहयोगी पार्टी है.

> **इस फैसले से यूडीएफ को कितना नुकसान?**
>
> केरलम की सियासत में यूडीएफ और एलडीएफ के बीच मुकाबला काफी दिलचस्प है. एक ओपिनियन पोल में वामपंथी दलों के गठबंधन एलडीएफ को 61 से 71 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है. केरल में सरकार बनाने के लिए कम से कम 71 सीटें जीतना जरूरी है. वहीं, यूडीएफ को 58 से 69 सीटें मिल सकती हैं और बीजेपी की अगुआई वाले गठबंधन को अधिकतम दो सीटें मिलने का अनुमान है. अब अगर ओपिनियन पोल के हिसाब से देखें तो कांग्रेस वाला गठबंधन एलडीएफ से पीछे है. ऐसे में तेजस्वी यादव का एलडीएफ के साथ आना यूडीएफ को झटका पहुंचा सकता है.

भाजपा को टेंशन देंगे संजय निषाद!

सामने आया पार्टी का मेगा प्लान, यूपी में मचेगा सियासी घमासान

लखनऊ. उत्तर प्रदेश में होने वाले 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले सूबे का सियासी पारा चढ़ने लगा है. निषाद पार्टी ने अपनी राजनीतिक गतिविधियां तेज कर दी हैं.

पार्टी ने गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज और मेरठ में रैलियों की एक सीरीज के जरिए अपने चुनावी अभियान की शुरुआत की घोषणा की है. इस अभियान की औपचारिक शुरुआत 22 मार्च, 2026 को गोरखपुर में होगी. जहां महंत दिग्विजयनाथ पार्क में पहली विशाल रैली आयोजित की जाएगी. पार्टी इस आयोजन को अपनी शक्ति प्रदर्शन के रूप में देख रही है और यह सुनिश्चित करने की तैयारी कर रही है कि इसमें बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हों. इन रैलियों का मुख्य केंद्र बिंदु 'मझवार' और 'तुरैहा' समुदायों को अनुसूचित जाति श्रेणी में शामिल करने की मांग को प्रमुखता से उठाना होगा. इसके अतिरिक्त, खनन, नदी घाटों और ज़मीन से जुड़े पारंपरिक अधिकारों की बहाली भी पार्टी के एजेंडे में प्रमुखता से शामिल है.

> **बीजेपी के लिए कैसे पैदा करेंगे मुश्किल?**
>
> अब यह माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गृह जिले से इन रैलियों की औपचारिक शुरुआत करके संजय निषाद दोहरे उद्देश्य को हासिल करना चाहते हैं. एक वे संभावित रूप से भाजपा के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकते हैं. दूसरा निषाद समुदाय से जुड़े मुद्दों को उठाकर वह गठबंधन के भीतर अपना प्रभाव जमाना और प्रमुख चुनावी सीटों पर अपना दावा ठोकना चाहते हैं.

विशेष अकेले चुनाव लड़ेगी भाजपा, शाह के ऐलान से किसे नुकसान?

अकाली दल से नहीं होगा गठबंधन

चंडीगढ़. मोगा की 'बदलाव रैली' में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बड़ा ऐलान किया. उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा आगामी पंजाब विधानसभा चुनाव बिना किसी गठबंधन के अकेले लड़ेगी.

इस घोषणा से उन तमाम राजनीतिक अटकलों पर पूरी तरह विराम लग गया है, जिनमें भाजपा और उसके पुराने सहयोगी शिरोमणि अकाली दल के बीच दोबारा चुनावी गठबंधन होने की प्रबल संभावनाएं जताई जा रही थीं.

रैली में जनता से समर्थन मांगते हुए अमित शाह ने कहा कि वह पंजाब के लोगों से खास अपील करने आए हैं. उन्होंने बताया कि पहले भाजपा राज्य में अकाली दल के साथ गठबंधन में जूनियर पार्टनर यानी छोटे भाई की भूमिका में ही जनता के सामने आती थी. हालांकि, अब पार्टी पंजाब में अपने दम पर पूर्ण सरकार बनाने के लिए पूरी ताकत झोंकने की तैयारी कर रही है. जनसभा को संबोधित करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि वह पंजाब की माताओं, बहनों और बुजुर्गों का विशेष आशीर्वाद प्राप्त करने आए हैं. उन्होंने लोगों से समर्थन का आग्रह किया. शाह ने जोर देकर कहा कि आज यदि कोई इस राज्य को नशीले पदार्थों की गंभीर बीमारी से पूरी तरह मुक्ति दिला सकता है तो वह केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी का नेतृत्व ही है.

> **शाह ने गिनाईं केंद्र की उपलब्धियां**
>
> सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए अमित शाह ने कहा कि हमने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाया है. साथ ही आज देश में नक्सलवाद भी समाप्ति की कगार पर पहुंच चुका है. उन्होंने पंजाब की जनता से स्पष्ट कहा कि यदि इस राज्य को नशे के गहरे जाल से हमेशा के लिए मुक्त करना है तो यहां हर हाल में भाजपा की शक्तिशाली 'डबल इंजन' वाली सरकार लानी होगी. राज्य की स्थिति पर चिंता जताते हुए शाह ने कहा कि आज पंजाब कर्ज, नशे के कारोबार, अवैध धर्म परिवर्तन, भ्रष्टाचार और गैंगस्टरों के आतंक से बर्बाद हो चुका है.

ममता के सामने भाजपा की 'ध्रुवीकरण नीति'

कोलकाता. पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो चुका है. राज्य में 23 और 29 अप्रैल को दो चरणों में मतदान होगा. इसके साथ ही राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के बारे में चर्चा शुरू हो गई है, जिनकी ताकत और कमजोरियों पर विश्लेषण हो रहा है.

टीएमसी, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की अगुवाई में, पिछले एक दशक से अधिक समय से राज्य में सत्ता में बनी हुई है. पार्टी की सबसे बड़ी ताकत ममता बनर्जी की प्रभावशाली और जुझारू छवि है, जो राज्य की राजनीति में विपक्षी दलों पर भारी पड़ती है. ममता ने खुद को राज्य स्तर पर एक कद्दावर नेता और राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष की आवाज के रूप में स्थापित किया है.

टीएमसी का संगठनात्मक ढांचा भी मजबूत है. पार्टी के कार्यकर्ता राज्य के हर कोने में, गांवों से लेकर शहरों तक, बूथ-स्तरीय स्तर तक फैले हुए हैं. पंचायत और स्थानीय समितियों के माध्यम से पार्टी ने अपने नेटवर्क को मजबूत किया है.

इसके अलावा, टीएमसी ने विभिन्न योजनाओं जैसे लक्ष्मी बंधन, कन्याश्री और स्वास्थ्य साथी के जरिए महिलाओं, ग्रामीण मतदाताओं और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को अपनी ओर आकर्षित किया है.

हालांकि, टीएमसी के सामने कुछ कमजोरियां भी हैं. सत्ता में 15 साल से अधिक समय रहने के बाद पार्टी को सत्ता विरोधी लहर का सामना करना पड़ रहा है. कई जिलों में प्रशासनिक असंतोष, भ्रष्टाचार के आरोप और नेताओं के प्रति नाराजगी बढ़ रही है. पार्टी के अंदर गुटबाजी भी एक बड़ी चुनौती बन चुकी है, जहां जिला स्तरीय नेताओं के बीच प्रतिद्वंद्विता और राजनीतिक प्रभाव के लिए संघर्ष हो रहा है.

> **भाजपा की बाहरी पार्टी वाली छवि**
>
> बीजेपी इस बार सत्ता विरोधी लहर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रभावशाली नेतृत्व का लाभ उठाने की कोशिश कर रही है. पार्टी ने हिंदुत्व आधारित ध्रुवीकरण के माध्यम से अपनी पकड़ मजबूत की है, साथ ही भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था के मुद्दों को भी प्रमुखता दी है. पिछले एक दशक में बीजेपी ने वाम और कांग्रेस के पारंपरिक मतदाताओं को आकर्षित कर खुद को राज्य में मुख्य विपक्षी दल के रूप में स्थापित किया है. बीजेपी का चुनावी इतिहास अब एक सकारात्मक मोड़ ले चुका है. पार्टी का मत प्रतिशत 39 प्रतिशत से अधिक हो चुका है, और वह 12 सांसदों और 65 से अधिक विधायकों के साथ राज्य की राजनीति में प्रभावी रूप से स्थापित हो चुकी है.